जयशंकर प्रसाद

(जीवन/साहित्यिक परिचय)

जीवन परिचय :—

छायावाद के कवि चतुष्टय में अग्रणी महाकवि जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 ई० में काशी के प्रसिद्ध सुँघनी साहू नामक परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम देवीप्रसाद था। बचपन में ही माता-पिता का स्वर्गवास हो गया। बड़े भाई शम्भूनाथ ने ग्रहस्थी का भार सिर पर लिया,परन्तु कुछ ही दिनों में उनका भी देहावसान हो गया। समस्त उत्तरदायित्व प्रसाद जी पर आ गए। परन्तु अपनी रचनाओं के पुष्प हिन्दी माता चरणों में निरन्तर अर्पित करते हैं।

अत्याधिक विषम परिस्थितियों में भी साहित्य की सेवा करते हुए 1937 ई० में छायावाद का यह ब्रह्मा इस सृष्टि को छोड़कर अन्यत्र जा बसा।

साहित्यिक -परिचय :—

प्रसाद जी के काव्य में सौन्दर्य एवं प्रेम के साथ मानवतावादी दृष्टिकोण है। प्रसाद जी ने कुल 6 रचनाओं से हिन्दी साहित्य में एक युग की सृष्टि की।

प्रसाद की रचना 'चित्राधार' में प्रकृति रमणीयता एवं माधुर्य के दर्शन होते हैं। प्रेमपथिक में मानव सौन्दर्य के प्रति जिज्ञासा का भाव व्यक्त हुआ है। 'आँसू' एक विरह काव्य है तथा कामायनी में प्रसाद की सिद्धावस्था एवं आध्यात्मिकता का पूर्ण परिपाक हुआ है।

अतः प्रसाद जी का हिन्दी साहित्य में योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

[रचनाएँ]

काव्य रचनाएँ –

Trick- प्रे.झ. आँ.ल., का.का., से क.म. प्रेम

प्रे - प्रेम पथिक
झ - झरना
आँ - आँसू
ल - लहर
का - कामायनी
का - कानन-कुसुम

क - करुणालय
म - महाराणा का महत्व
प्रेम - प्रेमराज्य